DEPARTMENT OF PUBLIC RELATIONS
PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH
NEWS-CLIPPINGS

Dated: 19.05. 2025

Director
Email ID: *dpr@pu.ac.in*

AMAR UJALA

नेतृत्व सम्मेलन में पीयू प्रतिनिधिमंडल ने लिया हिस्सा

उत्तरी अमेरिका और कनाडा से कई पीयू के पूर्व छात्र, वरिष्ठ शिक्षाविद हुए शामिल

संवाद न्यूज एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को ह्यूस्टन, टेक्सास में आयोजित पहली डीसीईटी लीडरशिप कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।

इस कार्यक्रम में 50 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए, जिनमें उत्तरी अमेरिका और कनाडा से कई पीयू के पूर्व छात्र, वरिष्ठ शिक्षाविद शामिल थे, जिन्होंने शैक्षणिक भविष्य में सहयोग के लिए रास्ते तलाशे। डीसीईटी लीडरशिप कॉन्फ्रेंस में ह्यूस्टन विश्वविद्यालय की अध्यक्ष प्रो. रेणु खटोर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं।

उनके साथ उनके पति डॉ. सुरेश खटोर भी थे, जो एक शिक्षाविद और प्रशासक हैं। अमेरिकी राजदूत (सेवानिवृत्त) और इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल एंगेजमेंट के संस्थापक कार्यकारी निदेशक माइकल पेलेटियर ने भी इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

ह्यूस्टन विश्वविद्यालय के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों में डॉ. ट्रायंटाफिलोस जे. (लाकिस) माउंटजियारिस, डॉ. माइकल निकोलाउ, डॉ. वेमुरी बालाकोटैया, डॉ. प्रवीण बोलिनी, डॉ. श्रीबाला गोरगंटू और डॉ. नवीन वरदराजन ने भी सम्मेलन में भाग लिया। इस कार्यक्रम में 1966 की कक्षा के कई वरिष्ठ पूर्व छात्र भी शामिल हुए। इनमें प्रो. परमजीत सिंह, आलोक जैन, सुरिंदर मरिया, कमलेश जैन और विनोद मरवाहा शामिल थे।

अमेरिका में प्रथम डीसीईटी नेतृत्व सम्मेलन में शामिल पीयू प्रतिनिधिमंडल। स्रोत:आयोजक

DEPARTMENT OF PUBLIC RELATIONS
PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH

NEWS-CLIPPINGS

Dated: 19.05. 2025

Director
Email ID: ***dpr@pu.ac.in***

DAINIK BHASKAR

दैनिक भास्कर चंडीगढ़ भास्कर 19-05-2025

ह्यूस्टन में डीसीईटी लीडरशिप कॉन्फ्रेंस में पहुंचे पीयू के प्रतिनिधि

चंडीगढ़| पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में पहली बार आयोजित डीसीईटी लीडरशिप कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में उत्तर अमेरिका और कनाडा से 50 से ज्यादा प्रतिभागी शामिल हुए। इनमें यूनिवर्सिटी के कई पूर्व छात्र, वरिष्ठ शिक्षाविद और विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। सभी ने साझा शैक्षणिक विरासत को याद किया। भविष्य में सहयोग के रास्तों पर चर्चा हुई। कॉन्फ्रेंस की मुख्य अतिथि यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूस्टन की प्रेसिडेंट प्रो. रेनू खटोर रहीं। उनके साथ उनके पति डॉ. सुरेश खटोर भी मौजूद थे। अमेरिका के पूर्व राजदूत और इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल एंगेजमेंट के संस्थापक निदेशक माइकल पेलेटियर ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रो. रेनू खटोर ने नेतृत्व और संघर्ष की अपनी यात्रा साझा की। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूस्टन को अमेरिका की शीर्ष यूनिवर्सिटियों में शामिल किया। उन्होंने कहा कि मजबूत सोच, प्रतिबद्धता, धैर्य और फीडबैक को गंभीरता से लेना बदलाव की कुंजी है। उन्होंने बताया कि उद्योग, पूर्व छात्रों और राज्य सरकार से रणनीतिक जुड़ाव से यूनिवर्सिटी को फंडिंग और समर्थन मिला।

Director
Email ID: ***dpr@pu.ac.in***

DAINIK TRIBUNE

ह्यूस्टन में ऐतिहासिक प्रथम डीसीईटी नेतृत्व सम्मेलन

पीयू प्रतिनिधिमंडल ने ह्यूस्टन विवि के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाशी

चंडीगढ़, 18 मई (ट्रिन्यू)

पंजाब विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल ने आज ह्यूस्टन, टेक्सास में आयोजित पहली डीसीईटी (डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलॉजी) लीडरशिप कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। कार्यक्रम में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें उत्तरी अमेरिका और कनाडा से कई जानी-मानी हस्तियां जो पीयू के पूर्व छात्र हैं, वरिष्ठ शिक्षाविद और प्रतिष्ठित अतिथि शामिल थे, ताकि वे अपनी साझा शैक्षणिक विरासत का जश्न मना सकें और भविष्य में सहयोग के लिए रास्ते तलाश सकें। सम्मेलन में ह्यूस्टन विश्वविद्यालय की अध्यक्ष प्रो. रेणु खटोड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। उनके साथ उनके पति डॉ. सुरेश खटोड़ भी थे, जो एक शिक्षाविद् और प्रशासक हैं। अमेरिकी राजदूत (सेवानिवृत्त) और इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल एंगेजमेंट के संस्थापक कार्यकारी निदेशक माइकल पेलेटियर भी इस अवसर पर उपस्थित थे और उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित किया। अपने प्रेरक मुख्य भाषण में, प्रो. रेणु खटोड़ ने नेतृत्व और लचीलेपन की अपनी उल्लेखनीय यात्रा साझा की, जिसने ह्यूस्टन विश्वविद्यालय को संयुक्त राज्य अमेरिका के शीर्ष विश्वविद्यालयों में से एक बना दिया। अपने अनुभव से उन्होंने परिवर्तनकारी बदलाव के प्रमुख चालकों के रूप में एक मजबूत और सम्मोहक दृष्टि, प्रतिबद्धता, दीर्घावधि, दृढ़ता और हितधारक प्रतिक्रिया के प्रति संवेदनशीलता के महत्व पर जोर दिया। पीयू के रजिस्ट्रार प्रो. वाईपी वर्मा केमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग की चेयरपर्सन प्रो. अनुपमा शर्मा, सीआईएल के निदेशक प्रो. गौरव वर्मा ने सम्मेलन में पीयू का प्रतिनिधित्व किया। डीसीईटी नॉर्थ अमेरिका एलुमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि गोयल और पीयू के पूर्व छात्र और वैश्विक रसायनिक इंजीनियरिंग समुदाय में एक प्रमुख व्यक्ति डॉ. अरुण वर्मा ने भी भाषण दिया।

दोहरी डिग्री, शोध आदान-प्रदान पर चर्चा

इससे पहले प्रतिनिधिमंडल ने ह्यूस्टन विश्वविद्यालय के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के साथ रणनीतिक चर्चा की। इस यात्रा के प्रमुख परिणामों में सह-पर्यवेक्षित पीएचडी अनुसंधान, अल्पकालिक छात्र गतिशीलता कार्यक्रमों के लिए रूपरेखाओं के विकास की खोज व उन्नत रासायनिक इंजीनियरिंग, टिकाऊ सामग्री, नैनो प्रौद्योगिकी और हरित हाइड्रोजन उत्पादन में वैश्विक अनुसंधान परियोजनाओं पर सहयोग शामिल थे।

Dated: 19.05. 2025

Director
Email ID: ***dpr@pu.ac.in***

DAINIK SAVERA

पीयू प्रतिनिधिमंडल ने ह्यूस्टन में प्रथम डीसीईटी सम्मेलन में लिया हिस्सा

सवेरा न्यूज/ राकेश

चंडीगढ़,18 मई : पंजाब विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल ने आज ह्यूस्टन, टैक्सास में आयोजित प्रथम डीसीईटी नेतृत्व सम्मेलन में भाग लिया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में उत्तरी अमेरिका और कनाडा से कई प्रसिद्ध पीयू पूर्व छात्र, वरिष्ठ शिक्षाविद और विशिष्ट अतिथियों सहित 50 से अधिक प्रतिभागी एक साथ आए, जिन्होंने अपनी साझा शैक्षणिक विरासत का जश्न मनाया और भविष्य में सहयोग के लिए मार्ग तलाशे। डीसीईटी नेतृत्व सम्मेलन में ह्यूस्टन विश्वविद्यालय की अध्यक्ष प्रो. रेणु खटोर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। उनके साथ उनके पति डॉ. सुरेश खटोर भी थे, जो एक बहुत सम्मानित शिक्षाविद और प्रशासक हैं। अमेरिकी राजदूत (सेवानिवृत्त) और इंस्टीच्यूट फॉर ग्लोबल एंगेजमेंट के संस्थापक कार्यकारी निदेशक माइकल पेलेटियर ने भी इस अवसर पर भाग लिया और उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

प्रो. रेणु खटोर ने अपने प्रेरक मुख्य भाषण में नेतृत्व और लचीलेपन की अपनी उल्लेखनीय यात्रा को साझा किया, जिसने ह्यूस्टन विश्वविद्यालय को संयुक्त राज्य अमेरिका के शीर्ष विश्वविद्यालयों में से एक बना दिया। पीयू के प्रो. वाई.पी. वर्मा; डॉ. एसएस भटनागर यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (जिसे पहले डीसीईटी के नाम से जाना जाता था) की अध्यक्ष प्रो. अनुपमा शर्मा; और सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन लेबोरेटरी (सीआईएल) के निदेशक और डॉ. एसएसबीयूआईसीईटी के एक संकाय सदस्य प्रो. गौरव वर्मा ने सम्मेलन में पीयू का प्रतिनिधित्व किया। ह्यूस्टन विश्वविद्यालय के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों में डॉ. ट्रायंटाफिलोस जे. (लाकिस) माउंटजियारिस (विभागाध्यक्ष), डॉ. माइकल निकोलाउ, डॉ. वेमुरी बालाकोटैया, डॉ. प्रवीण बोलिनी, डॉ. श्रीबाला गोरुगंटू और डॉ. नवीन वरदराजन ने भी सम्मेलन में भाग लिया।

इससे पहले, सम्मेलन की शुरुआत डीसीईटी नॉर्थ अमेरिका एलुमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि गोयल के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद पीयू के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र और वैश्विक केमिकल इंजीनियरिंग समुदाय में एक प्रमुख व्यक्ति डॉ. अरुण वर्मा ने उद्घाटन भाषण दिया।

1966 की कक्षा के कई वरिष्ठ पूर्व छात्र भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए, जिनके विशिष्ट करियर और संस्थान के प्रति स्थायी प्रतिबद्धता ने सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी। इनमें प्रो. परमजीत सिंह (पूर्व रजिस्ट्रार, पंजाब विश्वविद्यालय), आलोक जैन, सुरिंदर मारिया, कमलेश जैन और विनोद मारवाह शामिल थे।

DEPARTMENT OF PUBLIC RELATIONS
PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH

NEWS-CLIPPINGS

Dated: 19.05. 2025

Director
Email ID: ***dpr@pu.ac.in***

JAG MARG

ह्यूस्टन में आयोजित डीसीईटी लीडरशिप कॉन्फ्रेंस में पीयू के प्रतिनिधियों ने बढ़ाया मान

चंडीगढ़ (जगमार्ग न्यूज)। पंजाब यूनिवर्सिटी (पीयू) चंडीगढ़ के प्रतिनिधियों ने अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में आयोजित पहली ऐतिहासिक डीसीईटी लीडरशिप कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। यह ऐतिहासिक सम्मेलन न केवल पूर्व छात्रों के आपसी संबंधों को मजबूत करने का एक मंच बना, बल्कि भविष्य की शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग की दिशा में भी एक नई शुरुआत साबित हुआ। सम्मेलन में अमेरिका और कनाडा से 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूस्टन की वाइस चांसलर प्रो. रेनू खटोर रहीं, जिन्होंने अपने प्रेरणादायक भाषण में यूनिवर्सिटी को शीर्ष स्तर तक पहुंचाने के अपने अनुभव साझा किए। उनके साथ उनके पति डॉ. सुरेश खटोर भी उपस्थित थे। पूर्व अमेरिकी राजदूत और इंस्टिट्यूट फॉर ग्लोबल एंगेजमेंट के संस्थापक निदेशक माइकल पेल्टियर ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया और वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। पीयू की ओर से प्रो. वाईपी वर्मा, डॉ. एसएस भटनागर यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की चेयरपर्सन प्रो. अनुपमा शर्मा और सीआईएल निदेशक एवं फैकल्टी सदस्य प्रो. गौरव वर्मा ने यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व किया। कॉन्फ्रेंस की शुरुआत डीसीईटी नॉर्थ अमेरिका एलुमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि गोयल के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद प्रतिष्ठित पूर्व छात्र डॉ. अरुण वर्मा ने अपने विचार साझा किए। सम्मेलन में डीसीईटी के 1966 बैच के वरिष्ठ पूर्व छात्र - प्रो. परमजीत सिंह (पूर्व कुलसचिव, पंजाब यूनिवर्सिटी), आलोक जैन, सुरिंदर मर्रिया, कमलेश जैन और विनोद मारवाहा ने भी भाग लिया।

Dated: 19.05. 2025

Director
Email ID: ***dpr@pu.ac.in***

PUNJAB EXPRESS

PU delegation participates in first-ever DCET Leadership Conference in Houston, USA

PUNJAB EXPRESS BUREAU
Chandigarh, May 18

A Panjab University delegation participated in the first-ever DCET Leadership Conference held on Sunday in Houston, Texas. The landmark event brought together more than 50 participants, including several noted PU alumni from across North America and Canada, senior academics, and distinguished guests, to celebrate their shared academic legacy and explore pathways for future collaboration.

The DCET Leadership Conference was graced by the President of the University of Houston, Prof. Renu Khator, as the Chief Guest. She was accompanied by her husband, Dr. Suresh Khator, a highly respected academician and administrator. U.S. Ambassador (Retd.) and Founding Executive Director of the Institute for Global Engagement, Michael Pelletier also graced the occasion and addressed the gathering.

In her inspiring keynote address, Prof. Renu Khator shared her remarkable journey of leadership and resilience, which transformed the University of Houston into one of the top universities in the United States. Drawing from her experience, she emphasised the importance of a strong and compelling vision, commitment, longevity, persistence, and responsiveness to stakeholder feedback as key drivers of transformational change.

DEPARTMENT OF PUBLIC RELATIONS
PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH
NEWS-CLIPPINGS

Dated: 19.05. 2025

Director
Email ID: ***dpr@pu.ac.in***

ROZANA SPOKESMAN

ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਵਫ਼ਦ ਵਲੋਂ ਅਮਰੀਕਾ ਦੇ ਸ਼ਹਿਰ ਟੈਕਸਾਸ 'ਚ ਪਹਿਲੀ ਡੀਸੀਟੀਈ ਲੀਡਰਸ਼ਿਪ ਕਰਵਾਈ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 18 ਮਈ (ਬਠਲਾਣਾ): ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਇਕ ਵਫ਼ਦ ਨੇ ਅੱਜ ਹਿਊਸਟਨ, ਟੈਕਸਾਸ (ਅਮਰੀਕਾ) ਵਿਚ ਆਯੋਜਿਤ ਪਹਿਲੇ DCET ਲੀਡਰਸ਼ਿਪ ਕਾਨਫਰੰਸ ਵਿਚ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ। ਇਹ ਇਤਿਹਾਸਕ ਸਮਾਗਮ ਉੱਤਰੀ ਅਮਰੀਕਾ ਅਤੇ ਕਨੇਡਾ ਭਰੋਂ ਆਏ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਨਾਮਵਰ ਪੁਰਾਤਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ, ਮਾਹਰ ਅਕਾਦਮਿਕ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਮਾਣਯੋਗ ਮਹਿਮਾਨਾਂ ਨੂੰ ਇਕੱਠਾ ਲੈ ਕੇ ਆਇਆ ਤਾਂ ਜੋ ਸਾਂਝੀ ਅਕਾਦਮਿਕ ਵਿਰਾਸਤ ਦਾ ਜਸ਼ਨ ਮਨਾਇਆ ਜਾ ਸਕੇ।

ਕਾਨਫਰੰਸ ਵਿਚ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਆਫ ਹਿਊਸਟਨ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨ ਪ੍ਰੋ. ਰੇਣੂ ਖਾਟੋਰ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਵਜੋਂ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਤੀ ਡਾ. ਸੁਰੇਸ਼ ਖਾਟੋਰ, ਜੋ ਇਕ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਅਕਾਦਮਿਕ ਅਤੇ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕ ਹਨ, ਵੀ ਮੌਜੂਦ ਰਹੇ। ਅਮਰੀਕਾ ਦੇ ਸਾਬਕਾ ਰਾਸ਼ਟਰਦੂਤ ਅਤੇ ਇਂਸਟੀਚਿਊਟ ਫਾਰ ਗਲੋਬਲ ਐਂਗੇਜਮੈਂਟ ਦੇ ਸਥਾਪਕ ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ ਮਾਈਕਲ ਪੈਲਿਟੀਅਰ ਨੇ ਵੀ ਸਮਾਗਮ ਵਿਚ ਹਾਜ਼ਰੀ ਲਗਾਈ ਅਤੇ ਸਭਾ ਨੂੰ ਸੰਬੋਧਨ ਦਿਤਾ। ਅਪਣੀ ਪ੍ਰੇਰਣਾਦਾਇਕ ਮੁਖ ਭਾਸ਼ਣ ਵਿਚ ਪ੍ਰੋ. ਰੇਣੂ ਖਾਟੋਰ ਨੇ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਆਫ ਹਿਊਸਟਨ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਦੀ ਯਾਤਰਾ ਸਾਂਝੀ ਕੀਤੀ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਲੋਂ ਪ੍ਰੋ. ਵਾਈ.ਪੀ. ਵਰਮਾ ਡਾ. ਐੱਸ.ਐੱਸ. ਭਟਨਾਗਰ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਇੰਸਟੀਚਿਊਟ ਆਫ਼ ਕੇਮਿਕਲ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿਂਗ ਐਂਡ ਟੈਕਨੋਲੋਜੀ (ਪੂਰਵ ਵਿਚ DCET ਦੇ ਨਾਮ ਨਾਲ ਜਾਣਿਆ ਜਾਂਦਾ ਸੀ) ਦੀ ਚੇਅਰਪਰਸਨ ਪ੍ਰੋ. ਅਨੁਪਮਾ ਸ਼ਰਮਾ ਅਤੇ ਸੈਂਟਰਲ ਇੰਸਟਰੂਮੈਂਟੇਸ਼ਨ ਲੈਬੋਰਟਰੀ ਦੇ ਡਾਇਰੇਕਟਰ ਅਤੇ SSBUICET ਦੇ ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰ ਪ੍ਰੋ. ਗੌਰਵ ਵਰਮਾ ਨੇ DCET ਦੀ 1966 ਦੀ ਕਲਾਸ ਕਈ ਸੀਨੀਅਰ ਪੁਰਾਤਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਪੇਸ਼ਾਵਰ ਯਾਤਰਾਵਾਂ ਅਤੇ ਸੰਸਥਾ ਪ੍ਰਤੀ ਲਗਨ ਨੇ ਹਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕੀਤਾ, ਵੀ ਸਮਾਗਮ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਪ੍ਰੋ. ਪਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ (ਸਾਬਕਾ ਰਜਿਸਟ੍ਰਾਰ, ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ), ਅਲੋਕ ਜੈਨ, ਸੁਰੀਦਰ ਮਰਿਆ, ਕਮਲੇਸ਼ ਜੈਨ ਅਤੇ ਵਿਨੋਦ ਮਰਵਾਹਾ ਸ਼ਾਮਲ ਸਨ।

ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਸਪੋਕਸਮੈਨ
RozanaSpokesman.com

DEPARTMENT OF PUBLIC RELATIONS
PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH
NEWS-CLIPPINGS

Dated: 19.05. 2025

Director
Email ID: ***dpr@pu.ac.in***

THE TRIBUNE

PU files patents for green nanoplatform with skincare, pharma, wellness potential

TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, MAY 18

Panjab University here has filed both Indian and international patent applications for a pioneering green nanomicelle platform developed by Prof Indu Pal Kaur and her PhD scholars Bakr Ahmed and Simrandeep Kaur.

The eco-friendly, solvent-free platform is scalable and enables the safe, targeted delivery of sensitive bioactives such as peptides, herbal extracts, cannabinoids, vitamins, proteins, and small molecules — each known for their therapeutic, regenerative, anti-inflammatory or immune-supporting benefits across health and wellness applications.

The innovation holds broad potential across pharmaceuticals, nutraceuticals, cosmetics, paediatrics, veterinary care, and wellness industries. The university has already transferred the technology for the skincare and cosmetics segment to an industrial partner.

"A hallmark of this breakthrough is its 'simplicity meets versatility' design. The formulations are developed at room temperature using clean-label processes," said Prof Kaur, while disclosing that where required, minimal quantities of USFDA-permitted solvents can also be used to incorporate poorly soluble actives, offering added flexibility without compromising on safety or scalability.

Referred to as the "Patent Queen of India," she leads the IPK Lab (Innovation Packed Kit Lab), which is built around the philosophy of "Innovation to Reality".

"Our nanoplatform is built for affordability, adaptability, and clean science. It supports MSMEs and global players alike in developing safe, effective, and sustainable products," Prof Kaur said.

With over 22 granted and 17 filed patents to her credit, Prof Kaur's contributions underscore the expanding role of intellectual property in shaping India's innovation-led economy.

The IPK Lab fosters a culture of scientific rigour and entrepreneurial problem-solving. "The journey from a research obstacle to a societal solution is where my lab thrives," Prof Kaur shared.

She added that working with industry was not just about licensing innovations but about "co-creating impact" and building deeper, long-term partnerships rooted in technology transfer and mutual growth.

"I am happy to note that faculty members are translating laboratory research into innovations that serve industry and society. Such work not only enhances our academic standing but also leads to the development of affordable, high-quality products that improve lives. I congratulate all our researchers who are advancing the university's mission through patents, technology transfers, and industry engagement," said Prof Renu Vig, Vice-Chancellor, Panjab University.

Prof Indu Pal Kaur of PU, who developed the pioneering green nanomicelle platform, being feted by Union Minister Piyush Goyal.

DEPARTMENT OF PUBLIC RELATIONS
PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH
NEWS-CLIPPINGS

Dated: 19.05. 2025

Director
Email ID: ***dpr@pu.ac.in***

DAINIK JAGRAN

पंजाब यूनिवर्सिटी की प्रो. इंदु पाल कौर● पीयू

पीयू की ग्रीन नैनोप्लेटफार्म तकनीक को मिला पेटेंट

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : पंजाब यूनिवर्सिटी की प्रो. इंदु पाल कौर और उनकी टीम ने एक अत्याधुनिक साल्वेंट-फ्री ग्रीन नैनोप्लेटफार्म विकसित किया है, जिसके लिए भारतीय और वैश्विक पेटेंट (पीसीटी) फाइल किए गए हैं। यह तकनीक हर्बल एक्सट्रैक्ट्स, पेप्टाइड्स, विटामिन्स, प्रोटीन और अन्य संवेदनशील बायोएक्टिव्स की सुरक्षित और प्रभावी डिलीवरी को संभव बनाती है।

यह नवाचार स्किनकेयर, फार्मास्यूटिकल्स, न्यूट्रास्यूटिकल्स, बच्चों की दवाओं, पशुचिकित्सा और वेलनेस क्षेत्रों में व्यापक उपयोग की क्षमता रखता है। खास बात यह है कि स्किनकेयर व कास्मेटिक सेगमेंट में इसकी तकनीक पहले ही एक इंडस्ट्री पार्टनर को ट्रांसफर की जा चुकी है। प्रो. इंदु पाल कौर, जिन्हें पेटेंट क्वीन आफ इंडिया कहा जाता है, ने बताया कि यह तकनीक सादगी और बहुउपयोगिता की मिसाल है। इसे रूम टेम्परेचर पर विकसित किया गया है और जरूरत पड़ने पर एफडीए-अनुमोदित साल्वेंट्स का न्यूनतम उपयोग किया जाता है। कुलपति प्रो. रेनू विग ने कहा कि हमारे वैज्ञानिकों द्वारा विकसित नवाचार न केवल विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ा रहे हैं, बल्कि समाज के लिए सुलभ, गुणवत्तापूर्ण उत्पाद भी ला रहे हैं।

Director
Email ID: ***dpr@pu.ac.in***

JAG MARG

पीयू में पीएच.डी. में दाखिले के लिए आवेदन आमंत्रित

चंडीगढ़ (जगमार्ग न्यूज)। पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के अंतर्गत संचालित सेंटर फॉर नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी (सीएनएसएनटी) में शैक्षणिक सत्र 2025 के लिए पीएच.डी. प्रोग्राम में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए योग्य और इच्छुक आवेदक से ऑफलाइन माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पीयू प्रशासन द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 27 मई है। सभी आवेदकों को अपने भरे हुए आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी शाम 5 बजे तक सीएनएसएनटी कार्यालय, पीयू में व्यक्तिगत रूप से या डाक के माध्यम से जमा करानी होगी। पीयू का यह कदम अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में एक और प्रयास है, जिससे देश के होनहार छात्र वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकें। शोध के क्षेत्र में रुचि रखने वाले आवेदकों के लिए यह एक सुनहरा अवसर है, क्योंकि नैनोसाइंस और नैनोटेक्नोलॉजी आज के समय में तेजी से उभरते हुए क्षेत्रों में शामिल हैं। इस केंद्र में उच्च गुणवत्ता वाली अनुसंधान सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो शोधकर्ताओं को प्रयोगशाला में व्यावहारिक अनुभव के साथ-साथ नवीनतम तकनीकों से अवगत कराती हैं। आवेदन करने से पहले आवेदकों को पात्रता संबंधी मापदंडों एवं दिशा-निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ने की सलाह दी गई है, जो सीएनएसएनटी द्वारा जारी किए गए हैं। केवल वे ही अभ्यर्थी आवेदन करें जो निर्धारित मानदंडों को पूरा करते हों। आवेदन पत्र और संबंधित जानकारी के लिए इच्छुक छात्र पीयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर डिटेल्स देख सकते हैं या सीएनएसएनटी कार्यालय से सीधे संपर्क कर सकते हैं।

महत्वपूर्ण तिथियांः आवेदन जमा करने की अंतिम तिथिः 27 मई। समय सीमाः शाम 5 बजे तक। आवेदन का माध्यमः हार्ड कॉपी (ऑफलाइन)।

Dated: 19.05. 2025

Director
Email ID: ***dpr@pu.ac.in***

INDIAN EXPRESS

'Sticker-only' vehicles from next session: PU begins preparations

Chandigarh: To enhance security, safety and decongest the campus, the Panjab University (PU), Chandigarh, has started preparation to allow 'sticker-only' vehicles from the next academic session.

The issue was discussed in the chairpersons' meeting and PU Vice Chancellor (V-C) Renu Vig presided over the meeting. Vig informed that QR-coded stickers will be issued to the faculty, staff and students so that no misuse or copying can be done by anyone. She asked the department to submit the vehicle data of existing students, faculty and staff members so that the preparation for its implementation may be started.

Vig called upon the departments to give academic orientation to the fresher party and farewell, and urged the departments to involve seniors, experts and better mentor-mentee relationships to motivate the new students. She said that regular counselling is required in resolving problems of students and pressed for more academic and extracurricular activities for the students.

The V-C also urged the departments to prepare plans for next semester in advance and advised the departments to involve the bright students from schools and colleges and encourage them to visit the PU campus so that they are familiar with the facilities and career opportunities. **ENS**

DEPARTMENT OF PUBLIC RELATIONS
PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH
NEWS-CLIPPINGS

Dated: 19.05. 2025

Director
Email ID: ***dpr@pu.ac.in***

PUNJAB KESARI

पंजाब केसरी
MON,19 MAY 2025
EDITION: CHANDIGARH KESARI, PAGE NO. 1

अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया है। तीखी गर्मी से बचने के लिए पंजाब यूनिवर्सिटी में छाता लेकर जाती युवती। (परमजीत)